

an>

Title: Shri Tariq Anwar made a submission regarding problems being faced by jute industry.

श्री तारिक अनवर (कटिहार): माननीय उपाध्यक्ष जी, आपने मुझे मेरे क्षेत्र की एक बहुत ही ज्वलंत समस्या उठाने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपको शुक्रिया देता हूँ। अच्छी बात यह है कि यहां स्मृति ईशानी जी भी मौजूद हैं और यह समस्या इन्हीं के मंत्रालय से जुड़ी हुई है। सबसे पहले तो मैं मंत्री जी को जन्मदिन की बधाई देना चाहूंगा और मैं चाहूंगा कि इस शुभ अवसर पर आप हमारी समस्या का समाधान कर दें तो इससे अच्छी बात मेरे लिए और मेरे क्षेत्र के लिए नहीं हो सकती... (व्यवधान)

मेरे क्षेत्र में एक जूट मिल है जो एन.जे.एम.सी. के द्वारा चलाई जाती है, लेकिन पिछली जनवरी 2016 से वह बंद पड़ी है। उस मिल को अतानक बंद कर दिया गया, जिसकी वजह से वहां के जो कामगार, मजदूर और उनके परिवार हैं, उनका जीवन अंधार में लटका हुआ है और उनका जीवन अंधकार में है। मैं आपको बताना चाहूंगा कि एक समय में कटिहार एक औद्योगिक नगरी के नाम से जाना जाता था, लेकिन धीरे-धीरे तमाम उद्योग वहां समाप्त हो चुके हैं। लोग वहां से बड़े-बड़े शहरों में पलायन कर रहे हैं। यह क्षेत्र जूट ग्रेडिंग माना जाता है और है। जूट की पैदावार को देखते हुए दो जूट मिल वहां थीं और दो में से जो आर.बी.एच.एम. जूट मिल है, वह केन्द्र सरकार के द्वारा चलाई जाती है और एक प्राइवेट मिल है, उसकी भी स्थिति बहुत ही दयनीय है, ... (व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER: Whatever you have suggested, the hon. Minister wants to respond to that.

श्री तारिक अनवर : सर, क्षेत्र का मामला है, ... (व्यवधान)

HON. DEPUTY SPEAKER: It is 'Zero Hour'. You cannot give any speech.

...(Interruptions)

श्री तारिक अनवर : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाह रहा हूँ कि एक तो जूट मिल बंद कर दी गई और दूसरे 40 दिन की मजदूरी भी उनको नहीं मिली है। आप समझ सकते हैं कि जो मजदूर पूरी तरह से इस पर निर्भर हैं, उनकी कितनी खराब स्थिति होगी।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Jitendra Choudhary is permitted to associate with the issue raised by Shri Tariq Anwar.

-
-

13.00 hours

श्रीमती स्मृति जूबिन इशानी : माननीय सदस्य ने यह चिंता पत्र के माध्यम से भी व्यक्त की है और मैं आशा करती हूँ कि पत्र का जवाब उन तक पहुंच गया होगा। यदि माननीय सदस्य के पास अभी तक जवाब नहीं पहुंचा है, तो उस जवाब की एक कॉपी मैं इन्हें दोबारा दे दूंगी।

जूट की समस्या का जहां तक बिहार से संबंध है, कल ही कृषि मंत्री यथा मोहन जी के साथ हमने संयुक्त बैठक जूट फार्मिंग के संबंध में की है। उसमें बिहार के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। One of the biggest challenges in jute production is that the industry wants more and more diversified products but the crop quality is not so that it sustains or supports that diversification. And one of the biggest challenges in that is that more and more farmers do not have access to certified seeds. We had requested the representative of Bihar yesterday, who could not confirm, in the presence of both Ministers that they have been able to send the demand for the jute farmers of Bihar to the Central Government to certify seeds. ... (Interruptions) Allow me to finish my answer. West Bengal was also a part of that meeting. The only issue in terms of the textile workers relief that he seeks is the issue that has already been addressed in the communication to him. I will give him a specific copy of that response if he has not read the response which has been sent to him.